Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन फरवरी २०१५

मसीह अनिवार्य है

सितारे का पिछा करो।

अब हम नये साल में आ चुके है, फिर भी हवा में, एक खास गूँज है। वातावरण में एक खुशी का माहोल छाया है, मानो जैसे नाताल का समय अभी भी है। वैसे तो, बी.एम.एम. में, हमारे लिए, हमेशा ही नाताल और ईस्टर होता है। संपूर्ण साल हम हमारे उद्धारकर्ता येशू मसीह को मनाते है। इसी कारण, मै अचंबित होता हूँ, जब कोई मुझसे कहता है, कि: "अरे! नाताल है, ऐसा लग ही नहीं रहा।" कुछ लोग तो, नाताल के समय भी नाताल महसूस नहीं करते।

मेरे दोस्त, नाताल कोई महसूस करने की बात नहीं है। यह एक सच्चाई है। परमेश्वरने अपने एकलौते पुत्र को इस संसार में भेजा, ताकि हमें अनंतकाल का जीवन मिले। जब तक आपके दिल में येशू जन्म नहीं लेते तब तक आप सच्चे नाताल को महसूस नहीं कर सकोगे। मसीह आपके जीवन में अनिवार्य है। वो दाखलता हैं और हम डालियाँ हैं। अगर हम उन में बने रहेंगे, तो बहुत फल उत्पन्न करेंगे। इसीलिए मैं क्रिसमस को 'क्राईस्ट मस्ट' (क्रिस्त अनिवार्य) ऐसे लिखता हूँ।

पूर्व से जो तीन लोग येशू से मिलने आये थे, उन्होने सर्वप्रथम, आकाश में येशू का सितारा देखा। उन्होंने सितारा देखा, सितारे का पिछा किया, और फिर वो असली सितारे से मिले जो है, येशू मसीह। जब आप परमेश्वर की इच्छा के लिए आज्ञाकारी होकर चलते हो, तब वो आपकी अगुवाई अपनी ओर करते है। येशू ही हमारी किस्मत है। और जब आप उनके साथ संगति करते हो, तब आप कभी पहले जैसे नहीं रहोगे।

उस रात आसमान में बहुत से सितारे थे, लेकिन उनमे से केवल एक ही तीव्रता से चमक रहा था। आपको अपनी ओर बढ़ाने के लिए हो सकता है, परमेश्वर आकाश में ज्योति जलाए या फिर दूसरे मध्यमों का इस्तमाल करे। और जब आप उनसे मिलते हो, तब वो अपनी ज्योति आप के अंदर जमा करते है। यह ज्योति मानवीय आँखों को प्रत्यक्ष दिखाई नहीं देती, फिर भी जब लोग आपको देखेंगे, वो आपमें एक बदलाव महसूस करेंगे। आप अपने साथियों, अपने मित्रों, और सहयोगीयों में सबसे ज्यादा चमकोगे। आपके अंदर जो ज्योति है, वह इस सच्चाई की गवाही देती है, कि आप येशू से मिले हो और आप उनके साथ थे। जब ऐसा होता है, तब आपको येशू को महसूस करने की जरुरत नहीं, परंतु आप स्वयं येशू में जीने लगोगे।

सबसे जरुरी बात, जो हमे याद रखनी है, वो ये है, कि जो तीन लोग, यह अपेक्षा कर रहे थे, कि वो येशू से महल में मिलेंगे, लेकिन वो सितारा उन्हें अस्तबल की ओर ले गया। परमेश्वर तरक्की से पहले क्रिया पसंद करते है। मुकुट से पहले क्रुस। बहुत से लोग अपनी किस्मत से चुकते है, क्योंकि वो क्रुस से पहले मुकुट की चाह करते है। उन्होंने 'येशू मसीह' इस सितारे को देखा है, और फिर भी वो उनका पिछा करने से नाकाम होते है। आप के बारे में क्या? क्या आप इस साल सितारे का पिछा करेंगे? आप के लिए, मै यह आशा करता हूँ, कि आप जरुर करेंगे।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

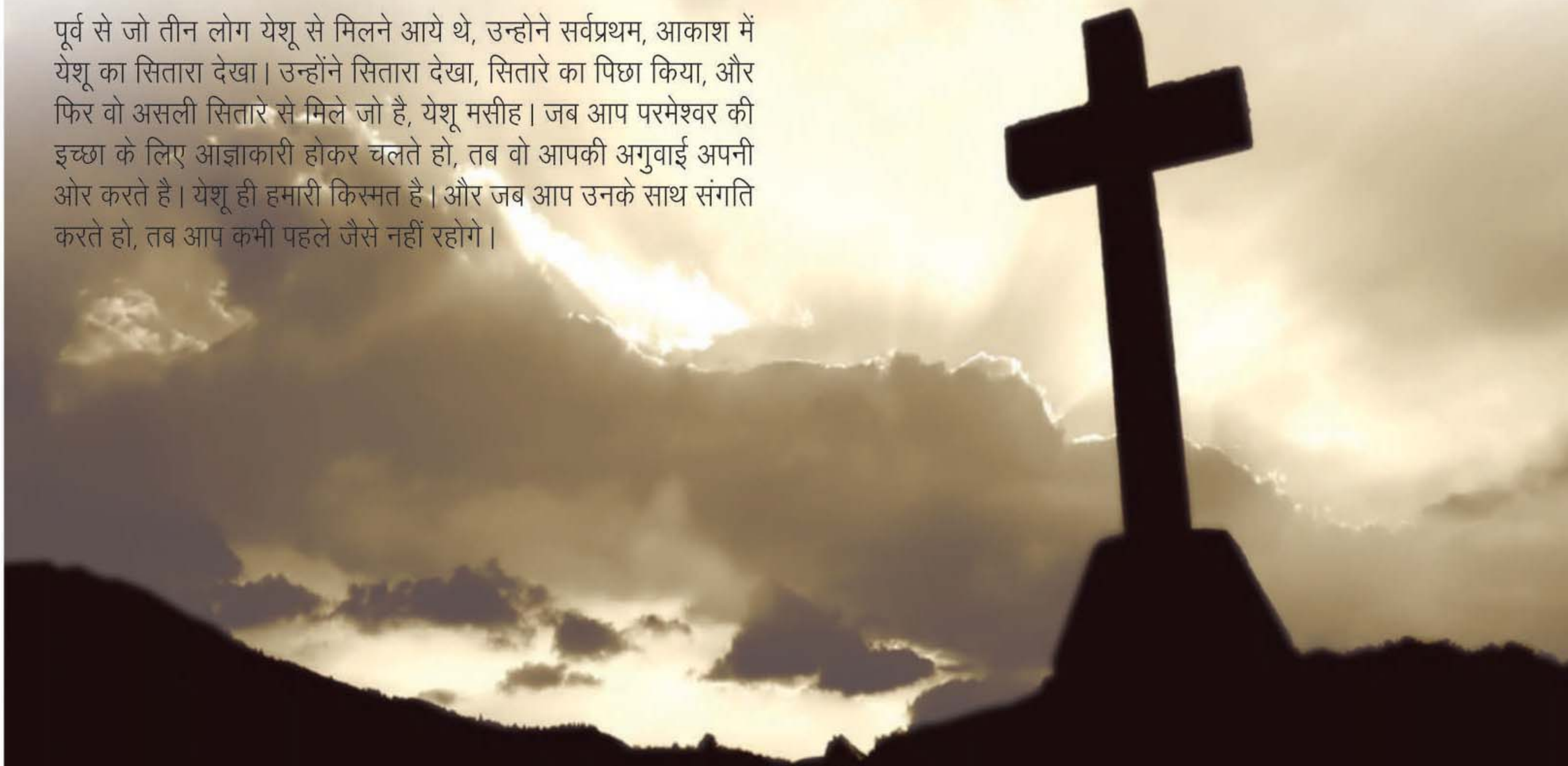

Say and it will happen

When doctors give up hope on you,
Say 'God is my healer'.
When you find no help,
Say 'God is my help'.
When you are surrounded by danger,
Say 'God is my refuge, my shelter'.
When you do not have a penny in hand,
Say 'God is my provider'.
When you are seeking for a suitable partner,
(Maybe for your son, daughter, anyone),
Say 'God is the perfect matchmaker'.
When things seems to be impossible,
Say 'With God, all things are possible'.
Above all, if you know and believe in your God
Whose name is 'I AM WHO I AM',
Then, surely you'll say...
'God is my everything'.
- Brenda Dias

K4C Corner

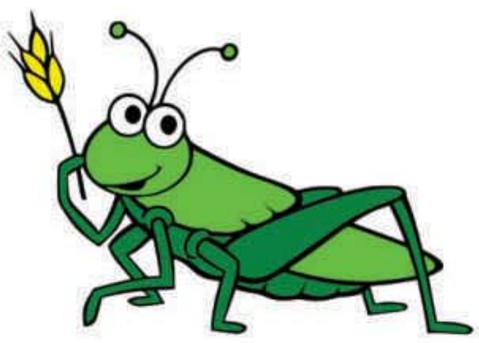

Bugs in the Bible

Fill in the blanks with the little creatures mentioned in each verse. circle then in the puzzle below.

M	O	T	H	S	G	N	A	T	B	H
A	N	T	A	L	L	C	H	P	E	O
G	R	A	S	S	H	O	P	P	E	R
G	F	C	R	I	C	K	E	T	S	N
O	L	S	P	I	D	E	R	S	B	E
T	E	C	L	O	C	U	S	T	D	T
S	A	E	F	K	A	T	Y	D	I	D
G	F	L	I	E	S	W	O	R	M	S

Proverbs 6:6 _ _ _
Psalms 78:45 _ _ _ _ _
Matt. 23:24 _ _ _ _
Judges 14:8 _ _ _ _
Acts 12:23 _ _ _ _ _
Lev. 11:22 _ _ _ _ _ _
Lev. 11:22 _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _
Deuteronomy 7:20 _ _ _ _ _ _
Exodus 16:20 _ _ _ _ _ _ _
1 Sam. 24:14 _ _ _ _
Isaiah 50:9 _ _ _ _ _
Isaiah 59:5 _ _ _ _ _ _
Lev. 11:22 _ _ _ _ _ _ _
Lev. 11:22 _ _ _ _ _ _ _

परमेश्वर के वादों के जरिए रुपांतर – भाग 3

उम्मीद है, कि अब तक जितने भी वादों का उल्लेख हमने हमारी बुलिटिन में किये है, उनका उपयोग आप अपने निजी जीवन में कर रहे हो, और उनके द्वारा परिवर्तित हो गये हो! तो आइये, हम हमारे प्यारे परमेश्वर के कुछ और वादों पर नजर डाले।

८. पुनःप्राप्ति का वादा

सचमुच यह देखकर मन कितना उदास होता है, कि कुछ अनमोल सदस्य, जो कभी परमेश्वर के उद्धार का आनंद जानता थे, जो येशू में पुनःजन्मे, और परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बने, गुरु की सेवा करने के लिए उत्साह से परिपूर्ण थे, परंतु अब, जैसे वो 'जीवन की चिंताओं' को ज्यादा महत्व देते है, या कुछ निजी महत्वकांशाओं, या फिर परमेश्वर के श्रेष्ठत्व पर प्रश्न उठाते है, वैसे ही वे धीरे धीरे परमेश्वर के प्यार से दूर जाते है। कभी कभी यह कमी इन कारणों की वजह से भी होती होगीः

अ) एक असंतुस्ठ और झगड़ालु आत्मा

ब) न माफ करनेवाला रवैया, या

स) हमारा आत्मिक जीवन, जिसका दम घुट रहा है, क्योंकि हमारे जीवन में पाप है।

जब हम येशू में पुनःजन्म लेते है, तो तुरंत हम सिद्ध नहीं बन जाते। एक क्रिया होती है, जो समझदारी की ओर बढ़ाती है। पृथवी पर कोई भी विश्वासू पापी नहीं हैं, "यदि हम कहें कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो अपने आप को धोखा देते हैं, और हम में सत्य नहीं।" (१ यहून्ना १:८)।

लेकिन सुसंदेश यह है, कि शुद्धिकरण के लिए निरंतर उपलब्धी है। हल्लिलूय्याह!

"यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धर्मी येशू मसीह; और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है।" (१ यहून्ना २:१-२)

"यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।" (१ यहून्ना १:९)

येशू का लहू उपाय है, तो यह सब विश्वासीयों को पाप करने का अधिकार नहीं देता। सारे पाप परमेश्वर को दुखी करते है; उनकी पवित्रता को भंग करते है; और हमारे आत्मिक उन्नति में रुकावट बनते है।

जब तक हम धरती पर जी रहें है, तब तक लगातार हमारी जंग पाप और बुराई के खिलाफ जारी रहेगी। परंतु परमेश्वर ने केवल हमारे शुद्धिकरण के लिये ही नहीं बल्कि हमारे जीवन में पाप की हार के लिए भी उपलब्धी की है। इस उपलब्धी और जीत के लिए जरुरी हैं, कि हर एक पाप जिसके बारे में आप जानते हो, उन्हें स्वीकारों और हर रोज हमारे शरीर और जीवन को जीवित बलिदान स्वरुप परमेश्वर को अपर्ण करें।

जब हम ऐसा नहीं करते, तब हमारा आत्मिक जीवन दूषित, और शारीरिक, सांसारिक जीवन दुर्बल और असंतुष्ठ बन जाता है। **इसलिए** हमे **'पुनःप्राप्ति'** की आवश्यकता है।

अगर हम उनके पास **पाप स्वीकारते** हुए और **विश्वास** से आते हैं, तो कुछ शानदार वादे हैं, जो यह ऐलान करते है, कि परमेश्वर पुनःप्राप्ति करेंगे।

"यहोवा की व्यवस्था खरी है, वह प्राण को बहाल कर देता है।" (भजन संहिता १९:७)

उनके वादों का लाभ पाने के लिए बहुत जरुरी है, कि आप उनके वचन के प्रति आज्ञाकारी रहे, इसलिए हम घोषणा करते हैः

"यहोवा मेरा चरवाहा है...वह मेरे जान में जान ले आता है।" (भजन संहिता १९:२३)

अगर आप पीछे हट रहे हो तोः

"यहोवा कहता है, "आओ हम आपस में वादविवाद करें : तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हों, तौभी वे हिम के समान उजले हो जाएँगे; और चाहे अर्गवानी रंग के हों, तौभी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएँगे। मैं तुम पर हाथ बढ़ाकर तुम्हारा धातु का मैल पूरी रीति से भस्म करुँगा, और तुम्हारी मिलावट पूरी रीति से दूर करुँगा। मैं तुम में पहले के समान न्यायी और आदिकाल के समान मंत्री फिर नियुक्त करुँगा।" (यशायाह १:१८,२५,२६)

हारें हुओं को मदद करना और उनकी पुनःप्राप्ति करनाः

"हे भाईयो, यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में पकड़ा भी जाए तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ ऐसे को संभालो, और अपनी भी चौकसी रखो कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो। तुम एक दूसरे का भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।" (गलातियों ६:१-२)

अगर आप गुनगुने होः

"इसलिए मैं तुझे संमति देता हूँ, कि आग में ताया हुआ सोना मुझ से मोल ले, कि तू धनी हो जाए, और श्वेत वस्त्र ले ले कि पहिनकर तुझे अपने नंगेपन की लज्जा न हो, और अपनी आँखों में लगाने के लिए सुर्मा ले कि तू देखने लगे। मैं जिन जिन से प्रेम करता हूँ, उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ; इसलिए सरगर्म हो और मन फिरा।" (प्रकाशितवाक्य ३:१८-१९)

अगर आप पाप, चिंता और नाकामी के बोझ तले दब गये होः

"हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।" (मत्ती ११:२८)

"जो कोई मेरे पास आएगा, उसे मैं कभी न निकालूँगा।" (यूहन्ना ६:३७)

"मैं उनकी भटक जाने की आदत को दूर करुँगा; मैं सारे दिल से उन से प्रेम करुँगा, क्योंकि मेरा क्रोध उन पर से उतर गया है।" (होशे १४:४)

वे केवल एक प्रार्थना की दूरी पर है! तो क्यो न आप उन्हें इसी समय पुकारो?

- अपने पापों और नाकामी को स्वीकारो।
- फिर से अपना शरीर और जीवन उन्हें दे दो।
- उनसे माँगो कि वे फिर से आपको उनकी संगती में स्थापित करें।
- पिता से कहो कि वे आपके उद्धार के आनंद को फिर से नया बना दे।
- उनसे कहो कि वे फिर से आपको अपनी आत्मा से भर दे और इस नये साल में आपको एक जीत से दूसरी जीत की ओर आगे बढ़ाते जाये।

एक परिवर्तित नया साल २०१५ की शुभकामनाएँ

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

प्यार और चुनने की आजादी

परमेश्वरने प्रत्येक इंसान को चुनने की आजादी दी है, ताकि वो अपनी किस्मत निश्चित कर सके। यह आजादी मनुष्य को पुरा अधिकार दिता हैं, कि वो परमेश्वर को भी ठुकराए, जिसने उसे रचा और अधिकार दिया है। परमेश्वर सज्जन है, वे मनुष्य के चुनाव करने के अधिकार का कभी भी उल्लंघन नहीं करेंगे, कि वो क्या और किस पर विश्वास करना चाहता है। हालांकि, यह आजादी भी एक सवार के साथ आता है। यदि आप खूद की मर्जी से चुनाव करते हो, तो उसका अंजाम भुगतने के लिए आप अकेले ही जिम्मेदार होंगे।

उदाहरण के तौर पर, अगर आप चिंपांजी की तरह धूम्रपान करने, हाथी की तरह शराब पिने और लापरवाह जिंदगी जीने का चुनाव करते हो, तो अगर आपका जीवन बत्तर दिशा की ओर मुड़ता है, तब आप ना परमेश्वर पर दोष लगा सकते हो और नाही किसी इंसान पर। आपकी सेहत आपकी जिम्मेदारी है।

जिन चीजों की आपको कोई जरुरत नहीं ऐसी चीजें खरीदने के लिए यदि आप पैसे उधार लेते हो और बारिश के दिनों के लिए बचाते नही, तो आपके कंगाल होने और बिखरने का दोषी आप परमेश्वर या मनुष्य नहीं ठहरा सकते। अपना जीवन जीने के ढ़ंग के लिए आप खुद जिम्मेदार हो।

इसी तरह, यदि आप अपने घर से दूर, अपनी पत्नी और बच्चों को नजरअंदाज करते हुए, अपना सारा समय बिताते हो, जिसकी वजह से आपकी शादी अगर बीच राह में खतम हो जाए, तो आप परमेश्वर या किसी और पर इल्जाम नहीं लगा सकते। ये आपकी जिम्मेदारी है, कि आप अपनी शादी को आगे बढ़ाए।

मेरा दिल
कहता है हाँ,
मेरा दिमाग
कहता है ना।

मेरी बिती जिदगी में, मैं एक विद्रोही था। मेरे जीवन में जो भी अच्छा होता था, तो उसका श्रेय मै लेता था, और सारी बुरी बातों के लिए परमेश्वर पर दोष लगाता था। जैसे सभी करते है, वैसे ही मैने भी अपने जीवन में कुछ ऐसे फैसले लिये जिसके लिए मुझे बहुत ही भारी किमत चुकानी पड़ी। लेकिन अब, जब मै पिछे मुड़कर देखता हूँ, तो मै साफ साफ देख सकता हूँ, कि कैसे परमेश्वरने मुझे सारी विपत्ति और संघर्ष से बचाया, परमेश्वर सदा से मेरे परम मित्र थे और हमेशा रहेंगे। यहाँ तक कि जब मै मूर्ख था, मैं परमेश्वर से कहता था, कि अच्छा होगा अगर आप मुझे मौज मस्ती करने के लिए अकेला छोड दे, फिर भी उन्होंने मुझे छोड़ा नहीं... क्योंकि एक सच्चे माता पिता कभी भी अपने बच्चे को अकेला छोड़ते नहीं। मैं आग से खेल रहा था और एक किनारे पर जी रहा था। हर बार, परमेश्वर अपने हाथों को धीरे से मेरे पीछे रखते है, ताकि मुझे गिरने से बचाए और देखते है, कि मुझे मंजील पर पहुँचने के लिए ज्यादा कठिनाई ना हो।

परमेश्वर ऐसे ही है।

जब आप परमेश्वर के दिल पर होते हो, तो वे दिन और रात अपने स्वर्गदूतों को आपकी निगरानी करने के लिए भेजते है। और अगर आप किसी मुसीबत में होते हो, और उनको मदत के लिए भी पुकारते नहीं, तब भी वे अपने स्वर्गदूतों को आदेश देते है, कि वो उस मुसीबत में कूदकर आपको उससे बाहर निकाले।

परमेश्वर हमे बिना किसी शर्त के प्यार करते है। और वे चाहते है, कि हम भी एक दूसरे से ऐसे ही प्यार करें।

बिना शर्तवाला प्यारः परमेश्वर को पसंद है... क्योंकि वे ऐसे ही है।

– बी.एम.एम. युथ

Get all the Latest Updates
from BMM at the touch of a button.
Download the BMM app
on your phone - Today!
Available on
Google play

नाताल और
नया साल २०१४ - १५

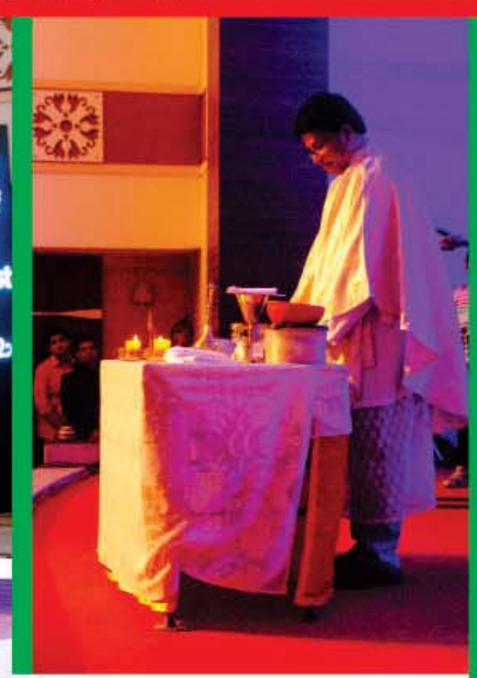

गवाहियाँ

२००३ में मेरे साथ एक दुर्घटना हुई, और आठ दिनों तक मैं कोमा (बेहोशी की नींद) में थी। इसमें मेरे स्वाद और सूंघने की शक्ति खो गई। मुझे चीजें याद रखने में भी परेशानी होती थी। लेकिन ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज में आने और दनिएल उपवास करने के बाद, मुझे संपूर्ण चंगाई मिल गयी। अब मुझे सबकुछ याद रहता है। मेरे स्वाद और सूंघने की शक्ति मुझे वापस मिल गयी है। ये महान चमत्कार जो परमेश्वरने मेरे जीवन में किया है, इसलिए मै उनका तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूँ। डॉक्टरों ने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी। और हाल ही में जब मैं उनसे मिली, तो मुझे देखकर वो अचंबित हो गये। उन्होंने कहा, "तुम अब तक जिंदा हो? हम ने सोचा कि तुम मर चुकी होगी।" मैने उनसे कहा की जब मेरी दुर्घटना हुई थी, तब मेरे थैले में मेरी प्रार्थना की किताब थी। येशू ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा है और सारी उम्र बचाया है। येशूने मुझे चंगाई दी है।

–मटिल्डा गोंसाल्विज

मैं पिछले ५५ सालों से पैरों में सूजन की समस्या से परेशान थी। लेकिन ब्रदर मैन्युएल द्वारा दी गयी कमीज पहनकर सोने के बाद जब मै सुबह उठी, तो मुझे बहुत ही तरोताजा महसूस हुआ और मेरे पैरों का भारीपण भी निकल गया। अब मै अपने पैरों पर ठीक से खड़ी होकर चल सकती हूँ। मेरे भाई की तबियत भी ठीक नहीं थी। उनकी हालत इतनी गंभीर थी, कि हमने आशा ही छोड़ दी थी। जब मै उसे अस्पताल में देखने गयी तब मैने लाल बैन्ड जो ब्रदर मैन्युएलने हमे दिया था, उसे मेरे भाई के तकिये के नीचे रख दिया। दूसरे दिन सुबह मुझे फोन आया कि मेरा भाई अस्पताल से घर आ गया है।

–चंद्रा व्यास

मेरे पति और मैं अक्टूबर २००४ से ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रीज में आ रहे है। इस सेवकाई में आने से पहले हम अंधकार में जी रहे थे। हम असुरक्षित जीवन जी रहे थे। हम नवविवाहित थे, लेकिन शादी की सच्ची खुशी क्या होती है, नहीं जानते थे। सेवकाई में आने के बाद मेरे पति ने शराब पीना और धूम्रपान करना छोड़ दिया। मुझे एकांत में रहना पसंद था। मैं किसी से बात नहीं करती थी। लेकिन यहाँ आने के बाद, मैं निडर बन गयी हूँ। हम में आत्मविश्वास आने लगा है। हम कभी भी खुद का घर लेने के बारे में सोच नहीं सकते थे। लेकिन यह संभव हुआ। परमेश्वरने हमारे लिये सबकुछ संभव कर दिया। मैं सारी चीजों के लिए प्रभू का धन्यवाद करती हूँ।

–मर्लिन डिसोजा

मेरे पिताजी का मधुमेह बहुत बड़ गया था। उन्हें आय.सी.यू. में दाखिल किया गया। डॉक्टरों को पता नहीं चल रहा था, कि समस्या क्या है। पहले उन्हें लगा कि यह कैन्सर है। मैंने तुरंत ब्रदर मैन्युएल को फोन किया और उन्होंने कहा कि चिंता मत करो और प्रभू पर भरोसा करो। मेरे पिताजी की तबियत अब ठीक है, और उनका मधुमेह भी अब सामान्य है। मै अपने पढ़ाई के बारे में भी गवाही देना चाहूँगी। मैं हमेशा से ऐवरिज स्टूडंट रही हूँ। ना मैने कभी अच्छे अंक लाये और नाही कभी प्रथम आयी हूँ। परंतु जब ब्रदर मैन्युएलने सभी को अपने आशिर्वादों को माँगने की सलाह दी, तब मैने कॉलेज में प्रथम आने की इच्छा प्रगट की। मैं रोज यह प्रार्थना करने लगी। इसके बाद मैं कॉलेज में प्रथम आयी। जो पेपर मेरे लिए कठिन था, उसी में मुझे सबसे ज्यादा अंक मिले। मैं ब्रदर मैन्युएल और इस सेवकाई का धन्यवाद करती हूँ। दिन प्रति दिन मेरा विश्वास बड़ते ही जा रहा है, और इसकी वजह केवल ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रीज है। सब्त के दौरान मैने ४ किलो वजन कम किया। मेरा परिवार बिना सोचे बीज बोता है, और इसलिए हम आशिर्वादित है। मै परमेश्वर को वो देती हूँ, जो उनका अधिकार और हक है।

–जोसलिन नरोन्हा

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

गोवा शुभसमाचार घोषणा
फरवरी १४-१५, मार्च १४-१५ २०१५

मुंबई ध्यानसभा (रिट्रिट)
मार्च ७-८, २०१५

मुख्यकार्यालय
एस-4, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लॉट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत

बुधवार कि प्रार्थना सभा
अधिक जानकारी के लिये कॉल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers